सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।
-ओपरा विनफ्रे

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 182 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 7 अगस्त, 2023

भारत जीत के साथ शीर्ष पर... 7 | महाराष्ट्र फिर बनेगा सियासत की... 3 | प्रदेश में बढ़ा है महिलाओं का... 2

संसद में फिर मोदी सरकार पर गरजेंगे राहुल गांधी

» संसद सदस्यता हुई बहाल लोकसभा सचिवालय ने दिया आदेश

» कांग्रेस ने मनाया जश्न सरकार बोली-कानूनी प्रक्रिया में लगी देर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरनेम केस में सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत के तीन दिन बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल कर दी गई है। अब फिर से वह सदन जा सकेंगे, और एकबार से मोदी सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक के बाद लोकसभा सचिवालय ने इस बारे में फैसला लिया है। ज्ञात हो राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करने को लेकर कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही थी।

गौरतलब हो कि 2019 में एक चुनावी सभा में मोदी सरनेम के बारे में दिए गए एक बयान को लेकर गुजरात की कोर्ट ने मार्च 2023 में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के अगले ही दिन लोस सचिवालय ने संसद सदस्यता रद्द किए जाने के संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया था। राहुल गांधी ने 2019 के चुनाव में केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र से जीत हासिल की थी। राहुल गांधी की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (4 अगस्त) को निचली अदालत के सजा के आदेश पर रोक लगा दी थी। ये रोक सूरत सेशन कोर्ट से दोषसिद्धि पर फैसला आने तक जारी रहेगी, जहां राहुल गांधी ने कनविक्शन के खिलाफ अपील दायर कर रखी ह।

हमने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया : प्रह्लाद जोशी

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा,स्पीकर ने आज फैसला लिया है। हमने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया और सुप्रीम कोर्ट का आदेश मिलने के तुरंत बाद हमने इसे बहाल कर दिया।

विपक्षी नेताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में लगाए नारे

विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं ने संसद भवन परिसर में लगाए राहुल गांधी के समर्थन और विपक्षी एकता के नारे। बता दें कि लोकसभा सचिवालय ने सोमवार को राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल कर दी है।

अब लोकसभा की कार्यवाही में लेंगे हिस्सा : चिदंबरम

राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने की सूचना आने के बाद ही कांग्रेस नेताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिय। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और दूसरे पार्टी नेताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाईं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने लोकसभा सचिवालय के कदम का स्वागत किया और इसे देश की जनता को राहत पहुंचाने वाला बताया। कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा, हमें खुशी है कि स्पीकर ने आज फैसला लिया। वे (राहुल गांधी) अब लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा ले सकते हैं।

अखिलेश यादव ने दी बधाई

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा,राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने पर मैं उन्हें बधाई देता हूं। मैं सुप्रीम कोर्ट को भी बधाई देता हूं, इस फैसले के बाद, लोकतंत्र और अदालत में विश्वास बढ़ा है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा, मैं राहुल गांधी को बधाई देती हूं और जल्द सदस्यता बहाल करने के लिए स्पीकर को धन्यवाद देती हूं।

लोस सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

लोकसभा सचिवालय से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 24 मार्च 2023 को जारी अधिसूचना के कम में सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त 2023 को एक विशेष अपील पर केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लोकसभा सदस्य राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी, जिसके बारे में सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने 23 मार्च 2023 को आदेश दिया था। आगे कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के 4 अगस्त 2023 के आदेश के मद्देनजर, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 102 (1)(ई) के सेक्शन 8 में वर्णित जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत 24 मार्च 2023 को जारी राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने संबंधी अधिसूचना अगले न्यायिक आदेश तक खत्म की जाती है।

मणिपुर में हिंसा जारी, केंद्रीय बलों की 10 और कंपनियां पहुंची

» अमित शाह से मिल सकता है आदिवासी संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। ऐसे में केंद्रीय बलों की 10 और कंपनियां राज्य में पहुंच गई हैं। वहीं, दूसरी तरफ नई दिल्ली में आज एक प्रमुख आदिवासी संगठन के सदस्य केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिल सकते हैं। गौरतलब है, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं।

राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। बता दें, शनिवार को मणिपुर के क्वाक्टा इलाके में मैतेई समुदाय के तीन लोगों की उनके घरों के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ घंटों बाद, चुराचांदपुर जिले में आदिवासी कुकी समुदाय के दो लोगों की हत्या कर दी गई।

नूंह में बुलडोजर की कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक

कम्युनिटी विशेष पर टारगेट करने पर हरियाणा सरकार को लगाई फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हाई कोर्ट ने मेवात में अतिक्रमण हटाने व निर्माण गिराने पर संज्ञान लेकर हरियाणा सरकार से जवाब तलब किया। हाई कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि इस मामले में कम्युनिटी विशेष को टारगेट किया जा रहा है, किसी भी निर्माण को गिराने से पहले क्या नोटिस जारी करने की प्रक्रिया का सरकार ने पालन किया है।

हाईकोर्ट का आदेश आते ही डिप्टी कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने तुरंत अधिकारियों को कार्रवाई से रोक दिया। सरकार की डिमोलिशन ड्राइव का हाईकोर्ट ने सुओ-मोटो लिया था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया ने रोक के आदेश दिए। एडवोकेट जनरल के अनुसार, इसपर अभी लिखित निर्देश आना बाकी है। हरियाणा सरकार अगर नियमों के मुताबिक यह कार्रवाई कर रही है तो तोड़फोड़ जारी रह सकती है, लेकिन अगर इसे लेकर किसी भी नियम की अनदेखी हुई है तो कार्रवाई रोकनी होगी। हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालना करते हुए जिले में तोड़फोड़ अभियान रोका गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अवैध निर्माण रोकने के आदेश दिए हैं। आगे के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

प्रदेश में बढ़ा है महिलाओं का उत्पीड़न : अखिलेश

» बोले- हर मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मानसून सत्र के पहले सपा मुख्यालय पर विधानमंडल दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सभी विधायकों को पार्टी की रणनीति समझाई। प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार पर चर्चा हुई साथ ही निर्णय लिया गया कि मानूसन सत्र में इस पर सरकार को घेरा जाएगा।

इस दौरान शिवपाल सिंह यादव, स्वामी प्रसाद मौर्य, माता प्रसाद पांडेय, लालजी वर्मा, राम अचल राजभर समेत विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों ने हिस्सा लिया। दो घंटे तक चली बैठक में विधायकों की ओर से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिजली संकट, प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था, किसानों की समस्या, सूखा, खाद की कमी, गन्ना मूल्य का बकाया, बुलडोजर और सांडों के आतंक की समस्या को रखा गया। विधायकों ने कहा कि इन समस्याओं को सदन में प्रमुखता से उठाया जाना चाहिए, ताकि आम जनता की आवाज को बुलंद किया जा सके। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में ये तय हुआ कि सोमवार को दोनों सदनों में मणिपुर हिंसा की घटना को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को इस घटना से जोड़ते हुए ध्यान आकर्षित किया जाएगा। पार्टी के विधायक सदन में मणिपुर की घटना पर निंदा प्रस्ताव पास करने और इसे केंद्र को भेजने का दबाव बनाएंगे। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराहट तय मानी जा रही है।

मुंबई बैठक में सीट बंटवारे के फॉर्मूला में सपा की भूमिका अहम

इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच लोकसभा सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला सबसे अहम माना जा रहा है। इस लिहाज से जहां 31 अगस्त से मुंबई में होने वाली इंडिया की बैठक अहम होगी, वहीं यूपी में भी पश्चिम बंगाल और बिहार में सीटों के बंटवारे के तरीकों पर काफी कुछ निर्भर करेगा। इंडिया के सबसे मजबूत घटक दल सपा की नजर अब इसी फॉर्मूले पर है। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया के जुलाई में हुए बंगलुरु सम्मेलन में 26 विपक्षी दल जुटे। 31 अगस्त व एक सितंबर को इंडिया की तीसरी बैठक मुंबई में होने जा रही है। जिसकी मेजबानी मुख्य रूप से शिवसेना (यूबीटी) करेगी। जबकि, राकांपा और कांग्रेस सहयोगी की भूमिका में रहेंगे। इस गठबंधन की सफलता के लिए दो अहम मुद्दे हैं। एक ये कि संयोजक कौन होगा और दूसरा ये कि सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला क्या होगा। सूत्रों के मुताबिक, आहिस्ता-आहिस्ता ये दल इन मुद्दों पर सर्वमान्य हल निकालने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि इंडिया को मजबूती दी जा सके। यूपी में समाजवादी नेतृत्व भी इस पर मंथन कर रहा है। क्योंकि, यहां सीटें छोड़ने पर सबसे ज्यादा असंतोष सपा के ही कार्यकर्ताओं और नेताओं में पैदा होगा।

भाजपा नेता बेशर्मी की हद पार कर चुके हैं : लोकेश

» अरुण सिंह ने गहलोत के चोट की जांच की बात कही थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने ट्वीट कर बीजेपी प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह के बयान की खबर को कोट करते हुए लिखा, ऐसी घटिया मानसिकता भाजपा के नेताओं की ही हो सकती है। बेशर्मी की हदें पार कर चुके हैं ये लोग। लोकेश शर्मा ने लिखा, मुख्यमंत्री के दोनों पैरों में लगी चोट को लेकर केंद्रीय मंत्री सहित बीजेपी के राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेता जिस तरह से ओछी बयानबाजी कर रहे हैं, वो इनके वास्तवित चरित्र और चेहरे को दर्शाती है।

राज्य में अपनी बदहाल स्थिति से बौखलाए इन नेताओं को जनता कभी माफ़ नहीं करेगी। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री अरुण सिंह ने सीएम अशोक गहलोत के पैरों में लगी चोट को लेकर काफी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। साथ ही कहा था कि पांच डॉक्टरों का पैनल बनाकर रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए, कहां चोट लगी है। कितने दिन में ठीक होगी। साढ़े चार साल तक उन्होंने कुछ नहीं किया और अब सहानुभूति लेने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी पर सदन में चर्चा हो : मायावती

» विपक्ष भी सरकार से पूछे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है सदन में जनता से जुड़े मुद्दे ज्यादा से ज्यादा रखा जाए। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा है कि सरकार आम जनहित के जरूरी मुद्दे जैसे बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, शांति व्यवस्था और सुरक्षा की बदहाल स्थिति पर विशेष जिम्मेदारी का परिचय दे।

इन्हें लेकर लोगों का जीवन त्रस्त व अस्त व्यस्त है। मायावती ने विपक्ष को भी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के वादों एवं दावों की याद दिलाए। सदन में उत्तरदायित्व बनाने तथा इन्हें इधर-उधर की बजाय तथात्मक बातें ही सदन में रखने को विवश करे। नियमों के तहत इनको इन मुद्दों के लिए बाध्य

करना जरूरी है। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधानमंडल सत्र को लेकर सभी दलों की बैठक बुलाई जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। इसके जरिये सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों अपने-अपने एजेंडे को धार देने की रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं।

कोर्ट का अधिकार हड़प रही हरियाणा सरकार

» असदुद्दीन ओवैसी ने नूंह में बुलडोजर एक्शन पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नूंह हिंसा को लेकर हरियाणा सरकार पर कटाक्ष किया है। असदुद्दीन ओवैसी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पर नूंह में हिंसा के बाद बुलडोजर कार्रवाई का आदेश देकर अदालत के अधिकारों को हड़पने का आरोप लगाया है।

नूंह के डिप्टी कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने अपने बयान में कहा था कि हिंसा प्रभावित क्षेत्र में विश्वास बहाली के प्रयास किए जा रहे है। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि ओवैसी ने मनोहर लाल खट्टर पर

निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट में इस कार्रवाई को मुसलमानों के लिए सामूहिक सजा बताया है, उन्होंने आगे कहा, विश्वास उन लोगों को दिया जा रहा है जो वैचारिक रूप से भाजपा या संघ के करीब हैं। आपको बता दें कि नूंह के डिप्टी कमिश्नर के उस वीडियो क्लिप पर औवेसी ने प्रतिक्रिया दिया है, जिसमें कमिश्नर ने कहा था कि बुलडोजर की कार्रवाई एक नियमित प्रक्रिया थी और किसी को निशाना बनाने के लिए कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं, राज्य अधिकारियों ने भी बुलडोजर कार्रवाई और नूंह हिंसा मामले के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया है। हालांकि, अधिकारियों का यह भी कहना है कि ध्वस्त की जा रही कुछ दुकान और घर हिंसा में शामिल लोगों से संबंधित था। बता दें कि नूंह दंगे में सात लोगों की मौत हो गयी थी।

नूंह का दंगा सुनियोजित था : अरशद मदनी

जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी जमीयत उलमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधि प्रतिनिधिमंडल ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसका विश्लेषण करने के लिए नूंह, मेवात और आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया गया है। दंगा प्रभावित क्षेत्रों का हाल बहुत ही हृदय विदारक है और यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि दंगा सुनियोजित था। इसमें पुलिस और प्रशासन की भूमिका संदिग्ध रही है, जिसके कई वीडियो वायरल हो चुके हैं।

यूपी में कांग्रेस नए अंदाज में लड़ेगी : खाबरी

» 27 लोकसभा सीटों पर खास नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस यूपी में फिर से अपनी जड़े मजबूत करने की जुगत में लगी है। इसी के तहत वह नए तेवर और नई रणनीति के साथ प्रदेश में उतरने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी खुद सभी बातों पर ध्यान दे रहें हैं। वह लोकसभा-2024 ही नहीं बल्कि भविष्य की सियासत पर नजर रखे है। ऐसे में पार्टी ने अपनी रणनीति बदलनी शुरू कर दी है।

सक्रिय सदस्यों को बूथ प्रबंधन से लेकर मतदान के समय की सतर्कता के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। गठबंधन की उठापटक से दूर पार्टी राज्य की 80 सीटों पर फोकस करेगी। हालांकि अपनी प्राथमिकता वाली 27 सीटों पर पार्टी ज्यादा फोकस कर रही है। अल्पसंख्यक नेताओं के कांग्रेस की ओर बढ़ते रुझान को वह अपने लिए सुखद मान रही है। यही वजह है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व परंपरागत ढांचे के साथ ही पार्टी को नया कलेवर देने में भी जुटी है। पार्टी में कार्यालय महासचिव की जिम्मेदारी दिनेश सिंह को सौंपी गई है। दिनेश की पहचान छात्र राजनीति से निकलने वाले लोगों के साथ ही वैचारिक आंदोलनकारी के रूप में रही है। संगठन सचिव की जिम्मेदारी अनिल यादव और पिछड़ा वर्ग विभाग की कमान मनोज यादव को सौंपी गई है। इनके जरिए पिछड़ी जातियों को गोलबंद करने की कोशिश लगातार की जा रही है। इसी तरह पुरानी पीढ़ी के नेताओं के साथ नई पीढ़ी के तमाम अल्पसंख्यक नेता भी सक्रिय भूमिका में आ गए हैं।

अपना दल के राष्ट्रीय महासचिव कांग्रेस में शामिल

अपना दल के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह ने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ले ली। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने उन्हें सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए राघवेंद्र प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि अपना दल में लोगों के मान सम्मान की परवाह नहीं है। उसका अपना कोई एजेंडा नहीं है। वह भाजपा के इशारे पर ही कार्य कर रही है।

जिले-जिले में पहुंचेंगे केंद्रीय और प्रांतीय नेता

पार्टी के तमाम केंद्रीय नेताओं की प्रदेश में गतिविधियां इन दिनों तेजी से बढ़ रही है। राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी लखनऊ से लेकर रायबरेली, प्रतापगढ़ सहित अन्य जिलों में सक्रिय हुए हैं। राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह, अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी सहित अन्य नेता प्रदेश के अलग-अलग जिलों में सक्रिय हैं। प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही पांच प्रांतीय अध्यक्ष भी बनाए गए हैं। ये सभी हर दिन अलग- अलग जिले में दौरा कर रहे हैं। जिलेवार होने वाले कार्यक्रमों में क्षेत्रीय दलों पर आरोप- प्रत्यारोप से बचते हुए पार्टी के नेता सीधे भाजपा पर हमला कर रहे हैं। यह भी दूरगामी सियासी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस की एक सेल प्रदेश कार्यालय में लोकसभा चुनाव के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित कर रही है। बूथ पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। अभी प्रदेश में करीब पौने दो लाख बूथ हैं। इनकी संख्या बढ़ने की उम्मीद है। कुछ बूथों में बदलाव भी होगा। इस बदलाव पर भी पार्टी निगाह लगाए हुए है। इसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय सदस्यों को प्रशिक्षण देने की तैयारी चल रही है, ताकि बूथ प्रबंधन में समस्या न हो।

महाराष्ट्र फिर बनेगा सियासत की धूरी

मुंबई में होगी विपक्षी गठबंधन की बैठक

» अगली बैठक में महाविकास अघाड़ी की ताकत दिखेगी

» भाजपा की भी बैठक पर नजर

गीताश्री

मुंबई। महाराष्ट्र आज देश में सियासी उठा-पटक के लिए सुर्खियों में है। कभी शिवेसना की फाड़ की आड़ में भाजपा की सियासत देखने को मिलती है तो कभी पवार के पावर पालिटिक्स से रूबरू होना पड़ रहा है तो अब ताजी खबर है कि अगस्त के आखिरी दिनों व सितंबर के शुरुआती दिनों में विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक होगी । इसबार इसकी मेजबानी उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना करेगी। महाराष्ट्र में तो जैसे पार्टियों में टूट-फूट आम बात हो गई है। सत्ता के लिए बनी महाविकास अघाड़ी में टूटने का सिलसिला जारी है, कभी शिवसेना टूटी, तो कभी एसपीपी टूटी अब सुनने में आ रहा है सपा भी साथ छोड़ रही है।

महाविकास अघाड़ी में फूट का सिलसिला कम होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। इससे पहले महाविकास अघाड़ी की घटक दल रही शिवसेना में टूट हुई। इसकी वजह से राज्य में महाविकास अघाड़ी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा। इसके एक साल के भीतर ही एनसीपी में विभाजन हो गया। पार्टी में टूट का यह मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब महाविकास अघाड़ी में एक और बड़ी दरार पड़ गई है। अब तक महाविकास अघाड़ी में शामिल रही समाजवादी पार्टी ने गठबंधन छोड़ दिया है। इसे महाविकास अघाड़ी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके पीछे अपनी बड़ी वजह है। दरअसल किसान नेता पूर्व सांसद राजू शेट्टी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में तीसरे गठबंधन का प्रयोग किया जा रहा है। इस तीसरे गठबंधन में समाजवादी पार्टी शामिल हो गई है। अब तक महाराष्ट्र में यह माना जा रहा था कि राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच सीधा मुकाबला होगा। हालांकि, अब इन दोनों पार्टियों का विकल्प देने के लिए तीसरा गठबंधन बन गया है। पूर्व सांसद राजू शेट्टी के नेतृत्व में राज्य में यह तीसरा गठबंधन बन रहा है। यह गठबंधन प्रागतिक विचार मंच के नाम से बनाया गया है। इस गठबंधन में राज्य के सभी छोटे घटक दल शामिल हो गये हैं। इस गठबंधन की वजह से राज्य में मौजूद एमवीए और महायुति दबाव भी बनने की पूरी संभावना है। जब हमने महाविकास अघाड़ी को समर्थन दिया था तब भी यह मौजूद था। इस मोर्चे को बनाने की वजह यह है कि चाहे सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष हर कोई जनता के मुद्दों और उनकी समस्याओं को खत्म करने में असफल नजर आ रहा है। इसलिए हमने यह प्रयोग किया है।

महाराष्ट्र के छोटे-छोटे दल और संगठन भी हम अपने साथ जो? रहे हैं। राजू शेट्टी ने बताया कि हितेंद्र ठाकुर की पार्टी और समाजवादी पार्टी के अबू आजमी ने हमको समर्थन दिया है।स्वाभिमानी किसान संघ, शेकाप, स्वराज्य पार्टी, आम आदमी पार्टी, सीपीआई, लाल निशान ग्रुप, बहुजन विकास अघाड़ी, समाजवादी पार्टी, जनता दल, सत्यशोधक कम्युनिस्ट पार्टी, बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी, सीपीआई, सीपीआई (एम) आदि के प्रतिनिधियों ने इस तीसरे मोर्चे में शामिल हुए हैं। इस गठबंधन में महाविकास अघाड़ी का घटक दल समाजवादी पार्टी भी शामिल हो गई है। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी द्वारा प्रागतिक विचार मंच से जुड़ने के कारण महाविकास अघाड़ी में फूट पड़ गई है। प्रागतिक विचार मंच की बैठक जल्द ही कोल्हापुर में होगी। बताया जा रहा है कि यह बैठक एक महीने के अंदर होगी। इस बैठक में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव की रणनीति भी तय की जाएगी। जिसमें 13 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

31 अगस्त-1 सितंबर को होगी इंडिया की बैठक

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की अगली मीटिंग 31 अगस्त को मुंबई में होगी। यह मीटिंग एक सितंबर तक चलेगी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि एनसीपी और कांग्रेस नेताओं की बैठक में इंडिया समिट कराने का निर्णय लिया गया। संजय राउत ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे इस मीटिंग को होस्ट करेंगे। बता दें कि विपक्षी दलों का पहला महाजुटान 23 जून को बिहार की राजधानी पटना में हुआ था। इसके बाद 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में मीटिंग हुई थी। इससे पहले चर्चा थी कि 25 और 26 अगस्त को विपक्षी दलों की बैठक होगी। यह पहली बार है कि विपक्ष की बैठक ऐसे राज्य में होगी जहां 'इंडियन नैशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में शामिल कोई भी दल सत्ता में नहीं है। मुंबई में आयोजित होने वाली बैठक में सीट बंटवारे के बारे में चर्चा होने की उम्मीद है। इससे पहले 17 औ 18 जुलाई को बेंगलुरु में हुई बैठक में गठबंधन का नाम इंडिया रखने पर सहमति हुई थी। इसका प्रस्ताव कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रखा था। इंडिया का पूरा नाम इंडियन नैशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस है।विपक्ष के 26 दलों के गठबंधन में प्रमुख पार्टियां हैं- कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), आरजेडी, जेडीयू, आम आदमी पार्टी, टीएमसी, सीपीएम, सीपीआई, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, आरएलडी, एमडीएमके, डीएमके, केएमडीके, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वीसीके, सीपीआई-एमएल (लिबरेशन), फॉरवर्ड ब्लॉक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कमेरावादी), एमएके, पीडीपी और नैशनल कॉन्फ्रेंस।

तीसरे मोर्चे से लगेगा झटका

इस बीच यह चर्चा भी शुरू है कि इस तीसरे गठबंधन को महायुति या महाविकास अघाड़ी से किसको झटका लगेगा? माना जा रहा है कि इस गठबंधन से महायुति की तुलना में महाविकास अघाड़ी को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। इससे महाविकास अघाड़ी का सिरदर्द बढ़ने की संभावना है।

ओडिशा पर भी भाजपा की नजर

» राज्य का सियासी माहौल गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। उत्तर -दक्षिण भारत ही नहीं पूर्वी भारत के बंगाल के अतिरिक्त ओडिशा पर भी भाजपा की नजर है। तभी तो गृहमंत्री अचानक शुक्रवार को ओडिशा पहुंच गए। उनके पहुंचते ही ओडिशा में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भाजपा ने कहा कि 2024 में मुकाबला ओडिशा में आक्रामक होगा, वहीं कांग्रेस ने कहा कि शाह केंद्र में बीजद के भाजपा के समर्थन पर नवीन पटनायक को धन्यवाद देने के लिए ओडिशा आए हैं। अमित शाह कार्यकारी निकाय के सदस्यों और कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक करेंगे। शाह के दौरे को लेकर पार्टी के सदस्य काफी उत्साहित हैं। दूसरी ओर कांग्रेस विधायक तारा बाहिनीपति ने कहा कि अमित शाह मणिपुर जाने के बजाय ओडिशा में केवल दिल्ली सेवा विधेयक पर केंद्र का समर्थन करने के लिए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को धन्यवाद देने आए हैं।

ओडिशा की भाजपा नेता लेखाश्री सामंतसिंघर ने शाह को एक बड़ा नेता बताया और कहा कि वह हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते नजर आते हैं। वह एक ऐसे नेता हैं, जो कार्यकर्ताओं से सीधे जुड़ने में विश्वास रखते हैं। उनकी मुस्कान हमारे कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए काफी है। बीजद ने पहले दिल्ली सेवा विधेयक के लिए अपने समर्थन की घोषणा की थी, जिसे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने निचले सदन में पेश किया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने गुरुवार को विधेयक पर चर्चा शुरू की। निचले सदन में पारित होने के बाद, दिल्ली सेवा विधेयक अब राज्यसभा में पेश किया जाएगा, जहां भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास बहुमत नहीं है।

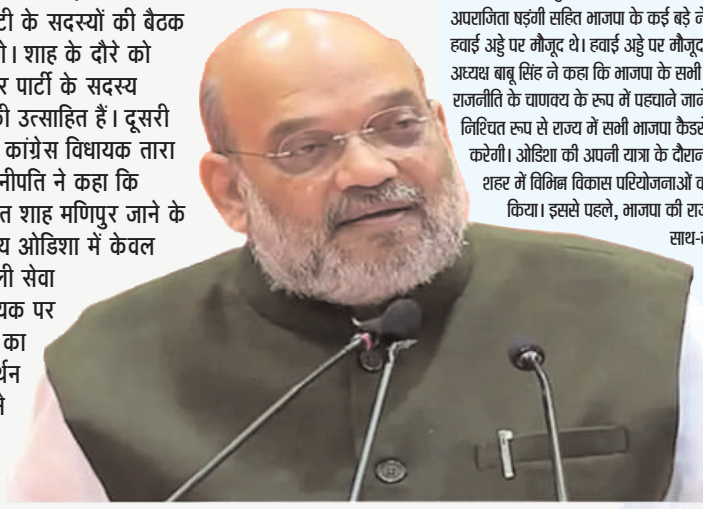

अचानक भुवनेश्वर पहुंचे अमित शाह

नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजेडी) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (संशोधन) विधेयक, 2023 पर केंद्र को समर्थन देने के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अचानक भुवनेश्वर पहुंचे। विपक्ष के बहिर्गमन के बीच विवादास्पद दिल्ली सेवा विधेयक को लोकसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया। शाह की अगवानी के लिए पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा और भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता षड़ंगी सहित भाजपा के कई बड़े नेता हवाई अड्डे पर मौजूद थे। हवाई अड्डे पर मौजूद पार्टी के भुवनेश्वर जिला अध्यक्ष बाबू सिंह ने कहा कि भाजपा के सभी सदस्य उत्साहित हैं। राष्ट्रीय राजनीति के चाणक्य के रूप में पहचाने जाने वाले अमित शाह की यात्रा निश्चित रूप से राज्य में सभी भाजपा कैडरों का मनोबल बढ़ाने में मदद करेगी। ओडिशा की अपनी यात्रा के दौरान अमित शाह का शनिवार को शहर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे पहले, भाजपा की राज्य इकाई के नेताओं के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं ने शाह का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया।

दिल्ली अध्यादेश पर बीजद ने दिया साथ

तेलंगाना से बढ़ी उम्मीद

तेलंगाना में सभी सर्वे संकेत दे रहे हैं कि भाजपा सत्ता में आ रही है। यह राज्य में भाजपा के लिए अनुकूल समय है। यह बात कहते हुए नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव बंदी संजय कुमार ने विश्वास जताने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह वास्तव में पार्टी द्वारा दिखाए गए स्नेह से काफी प्रभावित है। बंदी संजय ने कहा कि हम चुनाव के युद्ध में हैं। यही वह समय है, जब हमें करो या मरो का निर्णय लेना होगा। कई लोग कहते हैं कि भाजपा का ग्राफ नीचे आ गया है। नेताओं में गुट और मतभेद हैं। निहित स्वार्थों वाली कुछ पार्टियां यह प्रचार कर रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने जोर देकर कहा कि केंद्रीय मंत्री और पार्टी के तेलंगाना अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता भाजपा को सरकार में लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

केसीआर पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सरकार पर निशाना साधते हुए संजय कुमार ने कहा कि सरकार राज्य में हाल की बारिश के दौरान लोगों की परेशानियों पर ठीक से प्रतिक्रिया देने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राव तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्मचारियों को सरकारी रोल में शामिल करने का वादा कर उनके साथ धोखा करने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में टीएसआरटीसी कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी के रूप में मान्यता देने का निर्णय लिया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महिला की पहचान सिर्फ शादी नहीं

मद्रास हाईकोर्ट ने विधवा महिलाओं को मंदिर में रोक लगाने को गलत बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक महिला की पहचान उसकी शादी से नहीं होती है। उन्होंने कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस राज्य में यह पुरातन मान्यता कायम है कि यदि कोई विधवा मंदिर में प्रवेश करती है तो इससे अपवित्रता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस सुनिश्चित करें महिलाएं उत्सव में भाग लें। मद्रास हाईकोर्ट ने विधवा महिलाओं को मंदिर में रोक को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि एक महिला की अपने आप में एक हैसियत और पहचान होती है और उसे उसकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर किसी भी तरह से कम नहीं किया जा सकता है या छीना नहीं जा सकता है। न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने यह टिप्पणी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश देते हुए की, जिन्होंने एक महिला और उसके बेटे को मंदिर में प्रवेश करने से रोका क्योंकि वह एक विधवा है। न्यायाधीश ने कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस राज्य में यह पुरातन मान्यता कायम है कि यदि कोई विधवा मंदिर में प्रवेश करती है, तो इससे अपवित्रता होगी। हालाँकि सुधारक इन सभी निरर्थक मान्यताओं को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, फिर भी कुछ गाँवों में इसका चलन अभी भी जारी है। ये मनुष्य द्वारा अपनी सुविधा के अनुरूप बनाए गए हठधर्मिता और नियम हैं। वे वास्तव में एक महिला को सिर्फ इसलिए अपमानित करते हैं क्योंकि उसने अपने पति को खो दिया है। न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने कहा कि यह सब एक सभ्य समाज में कभी जारी नहीं रह सकता, जो कानून के शासन द्वारा शासित होता है। इसके बाद अदालत ने गोबिचेट्टीपलायम पुलिस को निर्देश दिया कि वह उन लोगों को बुलाए जो महिला को धमकी दे रहे थे और उन्हें स्पष्ट रूप से सूचित करें कि वे उसे और उसके बेटे को मंदिर में प्रवेश करने और उत्सव में शामिल होने से नहीं रोक सकते हैं। कोर्ट ने कहा, अगर इसके बावजूद वे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने की कोशिश करते हैं, तो उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि याचिकाकर्ता और उसका बेटा 9 और 10 अगस्त को होने वाले उत्सव में भी भाग लें। अदालत ने इरोड जिले के केटीसेवियुर पोस्ट के कलाईमगल स्ट्रीट में स्थित पेरियाकरुपरायण मंदिर में प्रवेश के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग करने वाली थंगामणि की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता के अनुसार, उनके पति, जो मंदिर में पुजारी थे, की 28 अगस्त, 2017 को मृत्यु हो गई थी। याचिकाकर्ता और उनका बेटा मंदिर में आयोजित आदि उत्सव में भाग लेना चाहते थे, लेकिन एम अयवु और एम मुरली ने उन्हें धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि चूंकि वह विधवा हैं इसलिए उन्हें मंदिर में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

> *न्यायाधीश ने कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस राज्य में यह पुरातन मान्यता कायम है कि यदि कोई विधवा मंदिर में प्रवेश करती है, तो इससे अपवित्रता होगी। हालाँकि सुधारक इन सभी निरर्थक मान्यताओं को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, फिर भी कुछ गाँवों में इसका चलन अभी भी जारी है। ये मनुष्य द्वारा अपनी सुविधा के अनुरूप बनाए गए हठधर्मिता और नियम हैं। वे वास्तव में एक महिला को सिर्फ इसलिए अपमानित करते हैं क्योंकि उसने अपने पति को खो दिया है। न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने कहा कि यह सब एक सभ्य समाज में कभी जारी नहीं रह सकता, जो कानून के शासन द्वारा शासित होता है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ड्रग कनेक्शन भी है मणिपुर संकट

मधुरेन्द्र सिन्हा

जहां पंजाब में ड्रग की समस्या दो-तीन दशक पुरानी है, वहीं मणिपुर में इसका इतिहास बेहद पुराना है। तीन देशों चीन, बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाएं इससे लगती हैं। इसमें म्यांमार ऐसा देश है जो अफीम की खेती और उसकी तस्करी के लिए बदनाम रहा है। यह उस कुख्यात ड्रग तस्करी क्षेत्र का हिस्सा है जिसे अंतर्राष्ट्रीय जगत में गोल्डन ट्रायंगल कहा जाता है। इसमें लाओस, थाईलैंड और म्यांमार तीन देश शामिल हैं। इसका इतिहास बहुत पुराना है। दो नदियों रूआक और मेकॉन्ग के संगम के बीच के दस लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ यह इलाका दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अफीम उत्पादक क्षेत्र है। यहां से अफीम तस्करी के जरिये पहले चीन में भी पहुंचाई जाती थी लेकिन कम्युनिस्टों के सत्ता पर काबिज होने के बाद से उसकी तस्करी उस देश में कम हो गई। लेकिन भारत, बांग्लादेश और थाईलैंड में बाकायदा इसकी सप्लाई होती रही।

साठ के दशक में तो वियतनाम युद्ध के दौरान तस्करी से वहां पहुंचा हुआ अफीम अमेरिकी सैनिकों में बेहद पॉपुलर हो गया था। इतना ही नहीं, अफीम और हेरोइन भी वहां अमेरिकी युद्धक विमानों में, जो युद्ध का सामान ट्रांसपोर्ट करते थे, भरकर कैलिफोर्निया भेजा जाने लगा। इससे तस्करों के वारे-न्यारे हो गये। इस खेल में कई बड़े-बड़े गैंग सक्रिय हो गये और डॉलर बरसने लगे। लेकिन वियतनाम युद्ध खत्म होते ही यह धंधा चौपट हो गया। कालांतर में तस्करों ने भारत की ओर ध्यान लगाया। बड़े पैमाने पर अफीम भारत आने लगी। यह इलाका बेहद दुर्गम है, इसके बावजूद तस्कर उधर से आसानी से आने लगे। लेकिन बाद में मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती होने लगी। दूर-दराज के इलाकों में अफीम के खेत लहलहाने लगे। पहले तो सरकारें देखकर इसे अनदेखा कर देती थीं लेकिन बीरेन सिंह की भाजपा सरकार ने इस पर निशाना साधा। उस समय यह पता चला कि कुल 15,400 एकड़ भूमि में अफीम की खेती होती है। यह अफीम हेरोइन बनाने के काम में आता है और वहां कुछ इलाकों में बनाया भी जाता है। इसके अलावा उपयुक्त जमीन के कारण मणिपुर में बढ़िया क्वालिटी का अफीम पैदा होता है।

यहां अफीम की खेती अन्य अनाजों या सब्जियों की तुलना में आसानी से होती है और उससे भी बड़ी बात यह है कि इसकी फसल साल में दो बार होती है। दरअसल, इस बार जब फसल कटने का समय आया तो

नारकोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने फसलें नष्ट करनी शुरू कर दीं जिससे हजारों एकड़ में लगी फसल बर्बाद हो गई। जिसका गुस्सा इस जातीय हिंसा में देखने को मिला। मणिपुर में नारकोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने हजारों एकड़ में लगी अफीम की फसल को जलाना शुरू कर दिया, इससे स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी रोष पैदा हो गया। बाद में चलकर जातीय हिंसा का यह एक बड़ा कारण भी बना और मैतेई-कुकी तथा अवैध रूप से बसे मुस्लिमों के बीच दंगों का भी। वहां हालत ऐसी हो गई है कि सरकार को दो-दो मोर्चों पर जूझना पड़ रहा है। एक ओर तो सरकारी अमला अवैध अफीम की खेती को नष्ट करता फिर रहा है तो दूसरी ओर म्यांमार से बड़े पैमाने पर आ रहे ड्रग्स को, जिसमें अफीम भी है। केंद्रीय और राज्य का नारकोटिक्स विभाग राज्य में अफीम आने से रोकने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इस खेल में बहुत से भागीदारों के होने के कारण यह जटिल हो गया है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या है म्यांमार, जहां बड़े पैमाने पर अफीम की खेती होती है और नशीली दवाओं का कारोबार भी होता है। भारत और म्यांमार की सीमा 400 किलोमीटर लंबी है और दुर्गम भी। यही कारण है कि वहां न केवल नशीली दवाओं के तस्कर ही नहीं, सोने के तस्कर भी सक्रिय हैं। नागालैंड, मणिपुर वगैरह में आतंकी कार्रवाई करने के बाद उग्रवादी भी म्यंमार भाग जाते हैं। भारत चाह कर भी उनके खिलाफ कुछ कर नहीं पाता। वहां सैनिक शासन है और सेना नशीली दवाओं के कारोबार में भी दखल रखती है। इसलिए तस्करों को भारत अफीम भेजने में आसानी होती है जहां से पैसे मिलते हैं जिसका हिस्सा वहां के सेना के अधिकारियों तक पहुंचता है। जाहिर है कि इस आकर्षक धंधे में सभी आना चाहते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि ज्यादातर कुकी मणिपुर के मूल निवासी नहीं है, फिर भी वे अब जनसंख्या के बल पर अपना अलग प्रशासन चाहते हैं। यह भी झगड़े की एक बड़ी वजह है। कुकी लड़ाकू किस्म के कबाइली हैं और उनकी मिजो और नागाओं से झड़पें होती रहती हैं। कई बार तो उनकी लड़ाई कई-कई महीनों तक चली है। ज्यादातर कुकी चिन म्यांमार से अवैध रूप से भारत आये थे और बड़े पैमाने पर मणिपुर में बस गये थे।

मध्य प्रदेश के फिर 'बाघ राज्य' बनने के मायने

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश एक बार फिर 'बाघ राज्य' यानी टाइगर स्टेट के नाम से जाना जाएगा। यहां बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गई है, जो सभी प्रांतों में सबसे ज्यादा है। केन्द्रीय वन राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने अखिल भारतीय बाघ आकलन रिपोर्ट-2022 जारी कर राज्यवार और बाघ आरक्षित क्षेत्रवार बाघों की वर्तमान में मौजूद संख्या के आंकड़े जारी किए हैं। देश में अब बाघों की कुल संख्या 3682 हो गई है। इसके पहले कुल 3167 बाघ थे। हालांकि, यह संख्या और ज्यादा हो सकती है, मध्यप्रदेश को छोड़ अन्य राज्यों में बाघों की गिनती केवल बाघ संरक्षण क्षेत्रों में की गई है, लेकिन मध्यप्रदेश में उन 25 क्षेत्रों में भी गणना की गई, जहां पहली बार बाघों की उपस्थिति का पता चला था।

दरअसल, खुले जंगलों में घूम रहे इन बाघों की संख्या 335 दर्ज की गई है। कुल 900 वर्ग किलोमीटर वनखंडों में फैले अकेले रातापानी अभयारण्य में 88 बाघ पाए गए हैं। बाघों की खुले वनों में मौजूदगी यह संकेत भी देती है कि बाघ परियोजनाओं के बिना भी बाघों की वंशवृद्धि संभव है! अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को जारी इन आंकड़ों से उत्साहित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बाघ का पुनर्स्थापन कठिन काम है। यह समाज के सहयोग के बिना संभव ही नहीं है। अतएव हम सब भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति संरक्षण का एक बार फिर संकल्प लें।' बाघों की यह गिनती 'कैमरा ट्रैपिंग' पद्धति से की गई है। वर्ष 2018 में पहली बार इस पद्धति की विलक्षण उपयोगिता 27,000 कैमरे लगाकर, साढ़े तीन करोड़ चित्र लेकर सामने आई थी। इस गणना को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड ने भी स्थान दिया था। यह दुर्लभ प्राणी एक समय लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था, तब 1 अप्रैल, 1973 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाघ परियोजनाओं के जरिए बाघ संरक्षण के मजबूत उपाय किए थे।

बीती सदी में जब बाघों की संख्या कम हो गई तब मध्यप्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में पैरों के निशान के आधार पर बाघ गणना प्रणाली को शुरुआती मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता है कि हर बाघ के पंजे का निशान अलग होता है और इन निशानों को एकत्र कर बाघों की संख्या का आकलन किया जा सकता है। कान्हा के पूर्व निदेशक एचएस पवार ने इसे एक वैज्ञानिक तकनीक माना था, लेकिन यह तकनीक उस समय मुश्किल में आ गई, जब 'साइंस इन एशिया' के मौजूदा निदेशक के. उल्लास कारंत ने बंगलुरू की वन्य जीव संरक्षण संस्था के लिए विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में बंधक बनाए गए बाघों के पंजों के निशान लिए और विशेषज्ञों से इनमें अंतर करने के लिए कहा। इसके बाद पंजों के निशान की तकनीक की कमजोरी उजागर हो गई और इसे नकार दिया गया। इसके बाद 'कैमरा ट्रैपिंग' का एक नया तरीका पेश आया, जिसे कारंत की टीम ने शुरुआत में दक्षिण भारत में लागू किया। इसमें जंगली बाघों की तस्वीरें लेकर उनकी गणना की जाती थी। ऐसा माना गया कि प्रत्येक बाघ के शरीर पर धारियों का प्रारूप उसी तरह अलग-अलग है, जैसे इंसान की अंगुलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। यह एक महंगी आकलन प्रणाली थी।

पर यह बाघों के पैरों के निशान लेने की तकनीक से कहीं ज्यादा सटीक थी। इसके तहत कैप्चर और री-कैप्चर की तकनीकों वाले परिष्कृत सांख्यिकी उपकरणों और प्रारूप की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके बाघों की विश्वसनीय संख्या का पता लगाने की शुरुआत हुई। इस तकनीक द्वारा गिनती सामने आने पर बाघों की संख्या नाटकीय ढंग से घट गई थी, जो अब बढ़ रही है। बाघों की संख्या इसलिए बढ़ पाई क्योंकि इनकी बसाहट की बाधाएं दूर करके युद्धस्तर पर प्रयास किए गए। मध्यप्रदेश में 2010 से 2022 के बीच बाघ संरक्षण क्षेत्र में आने वाले करीब 200 ग्रामों का विस्थापन किया गया। सबसे अधिक 75 सतपुड़ा बाघ संरक्षण क्षेत्र से हटाए गए। वनों से गांव हटे तो ग्रामों और खेतों की जमीन में घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए, इससे हिरण शाकाहारी प्राणियों को अनुकूल प्राकृतिक आवास और वातावरण के साथ पर्याप्त आहार की आसान सुविधा भी मिल गई। नतीजतन शाकाहारी वन्य जीवों की संख्या बढ़ती चली गई, बाघों के लिए आसान शिकार के रूप में मिलने लग गए। लिहाजा शिकार का बड़ा क्षेत्र बाघों को मिल गया। इधर वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने इनकी सुरक्षा का मोर्चा संभाल लिया। इनकी गश्त और अनुसंधान प्रणाली में अपेक्षित तकनीकी बदलाव व नए उपकरणों की उपलब्धता ने सतर्कता को चौकस बनाने का काम किया। अतएव वंशवृद्धि आसान हो गई।

मध्यप्रदेश की सरकार ने वन्य जीव संरक्षण के लिए एक कार्ययोजना भी बनाई है। इसके अंतर्गत शिकार की गतिविधियों पर अंकुश के लिए आने वाले 20 वर्षों में वन्य जीव फोरेंसिक तकनीक पर काम किया जाएगा। इसकी मदद से शिकार और अवैध व्यापार पर नकेल कसी जाएगी। वन्य प्राणी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया जाएगा। वन्य प्राणी और मानव द्वंद्व के मामलों को कम करने के प्रयास किए जाएंगे। साथ ही अंतर्देशीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, जलभराव और संरक्षित क्षेत्रों में किया जाएगा। संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण सहित अनुसंधान और निगरानी पर भी काम किया जाएगा। बावजूद पर्यटन के लाभ के लिए उद्यानों एवं अभयारण्यों में बाघ देखने के लिए जो क्षेत्र विकसित किए गए हैं, उस कारण इन क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बड़ी है, नतीजतन बाघ एकांत तलाशने के लिए अपने पारंपरिक रहवासी क्षेत्र छोड़ने को मजबूर होकर मानव बस्तियों में पहुंचकर बेमौत मर भी रहे हैं। इस बिंदु पर यदि गंभीरता से विचार हो जाता है तो मानव और बिल्ली प्रजाति के प्राणियों के बीच संघर्ष समाप्त होने की उम्मीद की जा सकती है।

खीरे में हैं अद्‌भुत गुण

वजन से लेकर ब्लड शुगर तक करता है मैनेज

जब हेल्दी रहने की बात आती है, तो सबसे पहले खानपान की चर्चा होती है क्योंकि यह एक ऐसा फैक्टर है, जो हमें स्वस्थ्य भी रख सकता है और बीमार भी। नेचर ने हमें कई तरह के सुपरफूड्स दिए हैं, इनमें से एक खीरा भी है, जिसे खाने से अनेकों फायदे होते हैं। ताजगी देने वाली यह सब्जी न केवल कैलोरी में कम है बल्कि आवश्यक पोषक तत्वों से भी भरपूर है, जिसकी वजह से इसे डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह आपके वजन कम करने की इच्छा को पूरी करने के साथ ही कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल में भी सुधार करेगा।

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करेगा

खीरा कोलेस्ट्रॉल लेवल मैनेज करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इनमें प्लांट स्टेरोल्स होते हैं, ऐसे कम्पाउंड जो कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले प्रभावों के लिए जाने जाते हैं। नियमित रूप से खीरा खाने से, एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल कम करने से हार्ट हेल्थ में सुधार होता है और दिल से जुड़ा खतरा भी कम हो सकता है।

डाइट में ऐसे करें शामिल

गर्मियों में खीरा खूब मार्किट में आने लगता है। कुछ लोग खीरा फेस पैक भी बनाते हैं ताकि स्किन हाइड्रेटिड रहे। खीरे को डाइट में शामिल करने के कई तरीके हैं। चाहें, तो उन्हें टुकड़ों में काट कर खा सकते हैं। सलाद तैयार कर सकते हैं या हाइड्रेटिंग और पौष्टिक रूप देने के लिए स्मूदी में मिला सकते हैं।

वजन कम करेगा

वजन कम करने या हेल्दी वेट बनाए रखने का लक्ष्य रखने वालों के लिए खीरा सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। इसमें कम कैलोरी होने के साथ, ज्यादातर पानी शामिल है। खीरे को स्नैक के रूप में खाया जा सकता है। खीरा आपको अधिक खाने से रोकने और वेट मैनेज करने में मदद करता है। इसके अलावा, खीरे में मौजूद फाइबर डाइजेशन में सुधार करता है।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

वेट मैनेजमेंट, ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल और कोलेस्ट्रॉल लेवल के अलावा भी खीरे कई फायदे हैं। ये विटामिन और मिनरल्स का एक समृद्ध स्रोत हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन सी, पोटेशियम और मैग्नीशियम शामिल हैं। यह सभी समग्र कल्याण के लिए आवश्यक हैं। ये पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य, इम्युनिटी और यहां तक कि स्किन हेल्थ में मदद करते हैं। खीरा शरीर को हाइड्रेटिड रखने का काम करता है। खीरे में अच्छी मात्रा में पानी मिलता है जो आम खाने की चीजों से कहीं ज्यादा होता है। बॉडी का हाइड्रेटिड रहना बेहद ज़रूरी होता है। खीरा उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जिन लोगों को कब्ज की दिक्कत होती है। कई लोगों में देखा गया है कि कब्ज डिहाइड्रेशन की वजह से भी होता है।

ब्लड शुगर मैनेज करेगा

ब्लड शुगर लेवल को लेकर परेशान लोगों को अपनी डाइट में खीरा शामिल करना चाहिए, इससे उन्हें काफी फायदा हो सकता है। खीरे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसका मतलब है कि उनके ब्लड शुगर पर कम से कम प्रभाव पड़ता है। उनमें ऐसे कम्पाउंड भी होते हैं, जो कार्बोहाइड्रेट को आसान शुगर के रूप में तोड़ने से रोकते हैं और इस तरह खाने के बाद ब्लड ग्लूकोज स्पाइक्स को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। खाने में खीरे को शामिल करने से ब्लड शुगर को बेहतर नियंत्रण में मदद मिल सकती है और इंसुलिन प्रतिरोध का खतरा कम हो सकता है।

हंसना मना है

भाई ने रसोई में गैस पर कूकर चढ़ा सेल्फी वाली पोस्ट डाली की और लिखा बीवी मायके गयी है और मुझे चाय बनानी है, कुकर में कितनी सिटी लगाऊं? किसी ने कहा-कुकर में ऑलरेडी एक सीटी लगी है और कितनी लगाएगा, किसी ने कहा बेवकूफ चाय कुकर में थोड़ी बनती है कड़ाही चढा, एक बोला- पहले दो घण्टे चाय पत्ती भिगो ले, दो तीन सीटी में काम चल जाएगा, किसी ने सुझाया खिड़की पर जाके एक सीटी बजा, पड़ौसन दे जाएगी?

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना, ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया-गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

कहानी | सफलता ठान लेने से मिलती है

दशरथ मांझी जिन्हें माउंटेन मैन के नाम से भी जाना जाता है, इनको कौन नहीं जनता? जिन्होंने यह साबित किया है, कि कोई भी काम असंभव नहीं है। दशरथ मांझी बिहार में गया के करीब गहलौर गांव के एक गरीब मजदूर थे। दशरथ मांझी काफी कम उम्र में ही धनबाद की कोयले की खान में काम करने लगे, बड़े होने पर फाल्गुनी देवी नामक लड़की से शादी कर ली। अपने पति के लिए खाना ले जाते समय उनकी पत्नी फाल्गुनी पहाड़ के दर्रे में गिर गयी। पहाड़ के दूसरी और अस्पताल था, जो करीब 55 किलोमीटर की दूरी पर था। दूरी होने के कारण उचित समय पर उनको उपचार नहीं मिल पाया, जिसके कारण उनका निधन हो गया। यह बात उनके दिल को लग गयी, इसके बाद दशरथ मांझी ने संकल्प लिया कि वह अकेले अपने दम पर पहाड़ के बीचों-बीच से रास्ता निकालेंगे और केवल एक हथौड़ा और छेनी लेकर खुद अकेले ही 360 फुट लंबी 30 फुट चौड़ी और 25 फुट ऊंचे पहाड़ को काटकर एक सड़क बना डाली। 22 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद, दशरथ की बनायी सड़क ने अतरी और वजीरगंज ब्लाक की दूरी को 55 किलोमीटर से 15 किलोमीटर कर दिया। लोगों ने इन्हें पागल कहा लेकिन इस बात ने इनके निश्चय को और भी मजबूत किया। उन्होंने अपने काम को 22 वर्षों (1960-1982) में पूरा किया। पहले-पहले गांव वालों ने उन पर ताने कसे लेकिन उनमें से कुछ ने उन्हें खाना दिया और औजार खरीदने में उनकी सहायता भी की। एक इंसान जिसके पास नहीं पैसा था, ना हीं ताकत थी, उसने एक पहाड़ खोद दिया, उनकी जिंदगी से हमें एक सीख मिलती है, की हम किसी भी कठिनाई को आसानी से पार कर सकते है, अगर आप में उस काम को करने की जिद है। कैंसर से पीड़ित मांझी का 73 साल की उम्र में, 17 अगस्त 2007 को निधन हो गया। दशरथ मांझी, जिसने अपने जज्बे और जुनून से सारा जोर अपने लक्ष्य को पाने में लगा दिया और जब तक चैन से नहीं बैठे जब तक सफल नहीं हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

तुला

बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

वृषभ

धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी। अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

मिथुन

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दु:खद समाचार मिल सकता है। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करे।

मकर

नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कुम्भ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

कन्या

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

मीन

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हेल्थ इश्यू की वजह से काम से ले रही हूं ब्रेक : अदा शर्मा

द केरला स्टोरी एक्ट्रेस अदा शर्मा की हाल ही में तबियत खराब हो गई थी दरअसल अदा शर्मा को फूड एलर्जी और डायरिया हो गया था और इस वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। ऐक्ट्रेस ने खुद भी इसे कंफर्म किया था। वहीं अब 'द केरला स्टोरी' स्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर खुलासा किया कि उन्हें पित्ती है और इस वजह से वे कुछ दिनों के लिए काम से ब्रेक ले रही हैं। बता दें कि अदा शर्मा इन दिनों अपनी अपकमिंग सीरीज कमांडो को प्रमोट कर रही हैं। अदा शर्मा ने अपनी एलर्जी रिएक्शन की तस्वीरों की एक सीरीज सोशल मीडिया पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, उन सभी को थैंक्यू जो मुझ तक पहुंचे और उनमें से कुछ को जिनसे मैं सालों से नहीं मिली, अदा शर्मा फैन क्लबों को भी थैंक्यू। उन्होंने तस्वीरों के साथ एक डिस्क्लेमर भी एड किया और लिखा, अगर आप स्किन पर दाने से डरते हैं तो स्वाइप न करें, वे थोड़े डरावने हैं लेकिन मुझे लगा कि किसी को इंस्टाग्राम पर केवल अच्छी तस्वीरें शेयर नहीं करनी चाहिए। अदा ने इसके बाद पित्ती को भयानक रैश के रूप में डिस्क्राइब किया और कहा, मैं कुछ दिन से बीमार हूं हाइव्स आ गए। हाइव्स डरावने रैश हैं तो फुल स्लीवस पहनकर इसे छुपा रही थी, लेकिन टेंशन की वजह से ये मेरे चेहरे पर दिखने लगा! तो फिर मैंने दवा ली और पता चला कि मुझे दवा से एलर्जी है इसलिए इससे मुझे बहुत उल्टियां होने लगी। इसलिए अब मैं दूसरी दवा और इंजेक्शन ले रही हूं। मैं आज प्रमोशन करूंगी लेकिन फुल स्लीव्स के साथ। अदा शर्मा ने आगे लिखा कि वह अपनी मेडिकल कंडीशन की वजह से काम से एक छोटा सा ब्रेक लेंगी और आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट का ऑप्शन चुनेंगी। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी अम्मा से वादा किया है कि मैं अपनी हेल्थ का ख्याल रखूंगी। कल मैं कुछ दिनों के लिए जा रही हूं।

बॉलीवुड | गपशप

रश्मिका मंदाना ने अपनी शादी की खबरों से फॉलोअर्स को किया हैरान

र श्मिका मंदाना अच्छी खासी फैन फॉलोइंग रखती हैं। उनके फैंस उनकी जिंदगी से जुड़ी हर चीज पर खास नजर रखते हैं। नेशनल क्रश मानी जाने वाली रश्मिका अक्सर अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस का नाम साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा से जुड़ता रहता है। दोनों की डेटिंग की खबरें सामने आती रहती हैं और इनकी पिक्चर्स भी सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं, लेकिन क्या आपको पता है रश्मिका ने गुपचुप तरीके से किसी से शादी कर ली है और वो विजय देवरकोंडा तो बिल्कुल नहीं हैं। एक्ट्रेस ने जिस नाम का खुलासा किया उसे जानकर शायद आप भी हैरान हो जाएंगे।

गुपचुप कर ली शादी!

हाल ही में शरवन शाह द्वारा लिए गए इंटरव्यू के दौरान जब रश्मिका से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर सवाल किया गया तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि वो पहले से शादीशुदा हैं। रश्मिका के इस रिएक्शन से वहां बैठे सभी लोग हैरान रह गए। सभी को उनके इस जवाब ने चौंका दिया। फिर एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि उन्होंने गुपचुप तरीके से एनीमे कैरेक्टर नरूटो से शादी कर ली है। एक्ट्रेस की ये बात सुनकर हर किसी की हंसी छूट गई।

एनीमे की फैन हैं रश्मिका

जानकारी के लिए बता दें जापानी एनीमे सीरीज के लीड कैरेक्टर नरूटो और नारुतो शिपूडेन कई लोगों के लिए एक इमोशन है और इसी लिस्ट में रश्मिका मंदाना का भी नाम शामिल है। साथ ही रश्मिका एनीमे के कैरेक्टर हिनाता की तरह बनने की इच्छा भी जाहिर की और अपने बालों में पर्पल कलर करवाने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, नारुतो के पास मेरा दिल है। वो मेरा पसंदीदा कैरेक्टर है। मैं उस किरदार से पूरी तरह से शादी कर चुकी हूं।

अंधेरे और खौफ में 'अकेली' फंसी नुसरत भरूचा

नुसरत भरूचा को आज उन एक्ट्रेसेस में से एक कहा जाता है जिन्होंने सिर्फ अपने दम पर इंडस्ट्री में बड़े-बड़े कलाकारों के एक खास पहचान हासिल की है। नुसरत ने हमेशा साबित किया है कि वह किसी भी तरह के किरदार में खुद को ढाल सकती है। अब एक बार फिर वह अकेली के साथ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाती नजर आ रही हैं। नुसरत की इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है।

आतंकवादियों के बीच फंस चुकी है। अब उसे यहां के युद्धग्रस्त माहौल में खुद को जिंदा रखने के लिए कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के रौंगटे खड़े के लिए काफी है। वहीं, इसे देखने के बाद फिल्म के उत्सुकता भी दोगुनी हो चुकी है। ट्रेलर की शुरुआत में नुसरत भरूचा बुर्का पहने हुए कहीं से भागने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन कुछ हथियारबंद लोग उन्हें घेरकर खड़े हो जाते हैं। इसके बाद कहानी पहुंचती है बैक में, जहां यह दिखाया जाता है कि कैसे एक भारतीय लड़की नौकरी के लिए इराक के मोसुल में पहुंच जाती है, लेकिन उसके आते ही देश में युद्ध छिड़ जाता है। एक पराए देश में युद्ध के माहौल में वो अपने परिवार से दूर यहां फंस गई है।

18 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

प्रणय मेश्राम के निर्देशन में बनी अकेली में नुसरत के अलावा निशांत दहिया, त्साही हलेवी और अमीर बुतरस जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म 18 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार है।

अजब-गजब | इस सड़क से गुजरने वाला हर इंसान यहां चढ़ाता है पत्थर

पत्थर चढ़ाने से यहां नहीं होता सड़क हादसा, लूट या कोई भी अन्य वारदात

डूंगरपुर से 10 किलोमीटर से दूर मेडिकल कॉलेज के पास एक ऐसी सड़क जहां सड़क किनारे पत्थरों का ढेर है। यहां आने जाने वाला हर व्यक्ति यहां पत्थर चढ़ाता है। खासकर रात में गुजरने वाला। लोगों की मान्यता है कि यहां पत्थर चढ़ाने से सड़क हादसा लूट और भी कोई वारदात उसके साथ नहीं होती है। डूंगरपुर के थाणा गांव में मेडीकल कॉलेज के पास रास्ते में पत्थरों का ढेर आपको दिखने मिलेगा। ढेर इतना की मानों की पत्थरों कारखाना चल रहा हो।

इस रास्ते में रात में गुजरने वाले लोगों यहां रुकते और यहां पत्थर चढ़ाते है। इस पत्थरों के ढेर के पास हालात ये है कि ढेर के आलावा आपको कहीं पत्थर देखने को नहीं मिलेगा। लोगों अपने साथ दूसरी जगह पत्थर लेकर आते है। इस पत्थरों के ढेर कई सारी कहानियां है कोई कहता है एक भला आदमी था जिसने की कर्ज ले रखा था। जब कर्जदार ने उसे पैसे के लिए उसे परेशान किया तो इस जगह एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था और तब

उसकी मौत हो गई। बाद में हर रात में पेड़े की परछाई में वो शख्स दिखाई पड़ता। तब गांव वालों ने उसकी आत्मा की शांति के लिए बड़ा हवन करवाया गया। फिर अचानक आसमान से पत्थर बरसने लगे। तब से लोगों यहां पत्थर चढ़ाते है।एक और कहानी इसको लेकर यहां के लोगों के बताते है कि पहले ये सड़क एक्सीडेंट जॉन हुआ करती थी। आएदिन यहां पर सड़क हादसे होते थे। इसी जगह एक आदमी की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस जगह उसकी समाधी बनाई गई। जिसके बाद से ही यहां पर पत्थर चढ़ाने की प्रथा शुरू हुई। वहीं कुछ लोगों कहते है कि रात में गुजरने वाले लोगों के लिए ये रास्ता सुरक्षित नही है। ऐसे में अनहोनी से बचने के लिए यहां के लोगों पत्थर चढ़ाते है।

इन देशों में शराब पीने की है अजीब परंपरा, कहीं जूते में पीते हैं, तो कहीं चीयर्स करना है गुनाह

दुनिया के ज्यादातर देशों में शराब पी जाती है। सभी को पता है कि शराब पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है, लेकिन इसके बावजूद लोग अल्कोहल का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ देशों में शराब पीने की अजीबोगरीब परंपरा है। किसी देश में चीयर्स करना गुनाह है, तो किसी देश में लोग शराब जूते में पीते हैं। आज हम आपको उन देशों के बारे में बताते हैं, जहां पर शराब पीने की अजीब परंपरा है। भारत समेत दुनिया के अलग-अलग देशों में शादी की अपनी मान्यताएं होती हैं। हालांकि एक ऐसा देश जहां पर वाइन के बिना शादी नहीं होती है। नाइजीरिया में शादी के समय दुल्हन को पिता एक कप में वाइन देता है। इसके बाद लड़की शादी में आए मेहमानों के सामने अपने पति को ग्लास देती है। जब लड़की होने वाले पति को अपना ग्लास दे देती है, तब वो शादी मानी जाती है। शादी में लड़की वालों की तरफ से वाइन नहीं लाया जाता है, तो शादी पूरी नहीं मानी जाती है। जब लोग एक पार्टी या कहीं पर साथ में शराब का सेवन करते हैं, तो चीयर्स बोलकर शुरुआत करते हैं। हालांकि हंगरी में चीयर्स करना अपराध माना जाता है। हंगरी में शराब पीने से पहले चीयर्स बोलना खराब माना जाता है। इसके पीछे एक खास वजह है। दरअसल साल 1849 में ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों ने हंगरी के कुछ क्रांतिकारियों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सैन्य अधिकारियों ने गिलास को टकराते हुए चीयर्स शब्द का प्रयोग किया था। इसके बाद यहां के स्थानीय लोग इसे अच्छा नहीं मानते हैं। भारत में शादी में जूता चुराई की रस्म बहुत प्रसिद्ध है। इस रस्म में दूल्हा जूता चुराने वाले को कुछ पैसा देता है, तो वो जूता वापस कर देता है। हालांकि यूक्रेन में शादी के दौरान दुल्हन की जूती चुराई जाती है। इसके बाद जूती चुराने वाला शख्स शादी में आए लोगों को दुल्हन की जूती में शराब पीने के लिए कहता है। ऑस्ट्रेलिया में भी खुशी के मौके पर लोग अपने जूते में शराब पीते हैं।

मध्य प्रदेश महिला और आदिवासियों पर अत्याचार में नंबर वन : कमलनाथ

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार को कोसा,कहा- मणिपुर पर बात क्यों नहीं करते?

गीताश्री

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में चुनाव है। इससे पहले सियासी बयानबाजी भी तेज होती जा रही है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश में महिला और आदिवासियों पर अत्याचार में नंबर वन बन गया है? उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि मणिपुर पर बात क्यों नहीं करते?

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार प्रदेश में दिन ब दिन बढ़ रहा है। इसके सबूत सामने आ रहे है। मध्य प्रदेश को शिवराजी नजी नंबर वन ले गए है। अब आदिवासियों पर अत्याचार और अटैक सब चीजों का खुलासा हो रहा है। मुझे इस बात का यकीन है कि आने वाले दिनों में बहुत सारी बातों का खुलासा होने वाला है। नाथ ने कहा कि शिवराज जी जितना नाटक कर लें और प्रलोभन दे दें। आम जनता समझ गई कि चार महीने पहले ही उनको यह सब सुझता है। यह चुनाव जनता ने तय किया है कि मध्य प्रदेश के भविष्य का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विपक्ष पर दिए भाषण पर नाथ ने कहा कि उन्होंने क्या कहा मुझे नहीं मालूम। लेकिन सब काम जनता देख रही है। अंत में फैसला जनता के हाथ में ही है। यदि हम कोई विरोध कर रहे है तो कोई ना कोई कारण होगा। आज मणिपुर की बात क्यों नहीं करते। आर्मी, सीआरपीएफ से लेकर वहां सरकार और राज्यपाल आपकी की है। विपक्ष काम करने नहीं देता। अंत में फैसला जनता के हाथ में है। यदि हम कोई विरोध कर रहे है तो कोई ना कोई कारण होगा। आज मणिपुर की बात क्यों नहीं होती। मणिपुर में क्या हो रहा है? आर्मी, सीआरपीएफ, आपकी सरकार और आपकी गवर्नर बचा क्या है?

मेरे मंदिर जाने पर भाजपा को तकलीफ क्यों

नाथ ने बागेश्वर धाम की कथा को लेकर कहा कि मैं मंदिर जाता हूं तो इनको दिक्कत। मैं प्रार्थना करता हूं तो इनको दिक्कत। भाजपा के पेट में दर्द क्यों होता है। इन्होंने क्या धर्म की एजेंसियों का ठेका ले रखा है। नाथ ने कहा कि बागेश्वर धाम महाराज ने कहा कि मैं छिंदवाड़ा में कार्यक्रम करुंगा। मैंने कहा स्वागत है। उसमें मैं शामिल हुआ। चार लाख लोग शामिल हुए। इसमें कौन सी राजनीति है। भाजपा इसको राजनीति बनाना चाहती है।

अपने सांसद को कब करेंगे अयोग्य : दिग्विजय

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी और यूपी के इटावा से सांसद रामशंकर कठेरिया को दो साल की सजा सुनाई गई है। इस पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष से कठेरिया की संसद सदस्यता खत्म करने की मांग की। दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता 24 घंटे में चली गई थी। अब देखते हैं इनकी सदस्यता समाप्त होती है या नहीं। इससे यह भी साफ हो जाएगा कि लोकसभा अध्यक्ष कितनी निष्पक्षता से काम करते हैं?बता दें उत्तर प्रदेश के आगरा में टोरेंट अधिकारी से मारपीट एवं बलवा करने के मामले में भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया दोषी पाए गए। कोर्ट ने उन्हें दो वर्ष कारवास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। घटना वर्ष 2011 की है। मामले में टरेंट अधिकारी की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामला हरीपर्वत थाना क्षेत्र के साकेत माल का है। यहां स्थित टोरेंट के सतर्कता कार्यालय (विद्युत चोरी निवारण कार्यालय) पर 16 नवंबर 2011 को पूर्व एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष एवं वर्तमान में इटावा से भाजपा सांसद राम शंकर कठेरिया पहुंचे। उनके साथ करीब 10-15 समर्थक थे।

बिलों की जांच कराते-कराते चले जाएंगे शिवराज

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने पहले से ही महंगाई से त्रस्त मध्यप्रदेश की जनता पर बढ़े हुए बिजली बिलों से महंगाई का डबल वार किया है। अब मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि बढ़े हुए बिलों की जांच कराएंगे, सच तो ये है कि जब तक वो जांच कराएंगे तब तक वो चले जाएंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि सच्चाई ये है कि भाजपा न तो जनविश्वास का जेनरेशन कर पा रही है, न विकास का ट्रांसमिशन और न ही कल्याणकारी योजनाओं का सच्चे ज़रूरमंद लोगों तक डिस्ट्रीब्यूशन कर पा रही है। दरअसल भ्रष्टाचार के लगातार बढ़ते जाने की वजह से भाजपा के दिखावटी सुशासन का ट्रांसफ़ॉर्मर उड़ गया है। अब उल्टे जनता ही भाजपा को आगामी चुनावों में करेंट देने के लिए तैयार बैठी है। बिजली के बढ़े बिल भाजपा की बत्ती गुल कर देंगे।

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे जारी, अभी कुछ भी कहना उचित नहीं : विष्णु जैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी का वैज्ञानिक सर्वेक्षण अब से कुछ ही देर में शुरू होने वाला है। सावन के पांचवें सोमवार और काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। सर्वे सुबह दस बजे से शुरू होकर शाम के पांच बजे तक चलेगा।

इस बीच नमाज और लंच ब्रेक के लिए भी सर्वे रोका जाएगा। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर सर्वेक्षण मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा- सर्वे शाम के 5 बजे तक चलेगा। यह एक वैज्ञानिक सर्वेक्षण है और यह एक अधिवक्ता आयोग के सर्वेक्षण से अलग है। यह सोचना गलत है कि हर दिन कुछ नया मिलेगा क्योंकि संरचना और वास्तुकला का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन हो रहा है। जब एएसआई रिपोर्ट आएगी, तब हमें निष्कर्ष पता चलेगा। पूरे परिसर का सर्वे हो रहा है। एएसआई ने अपनी 42 सदस्यीय टीम को बांटा है।

बिल का विरोध करने वालों पर गुलाम नबी आजाद ने बोला हमला, कहा-

370 हटाने का विरोध करने वाले नासमझ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के मुखिया गुलाम नबी आजाद ने अनुच्छेद-370 हटाए जाने का विरोध करने वालों को नासमझ बताया है।

उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं उन्हें जम्मू-कश्मीर के भूगोल और इतिहास की जानकारी नहीं है, उनका बयान ऐसे समय में आया है जब अनुच्छेद-370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा छिनने के केंद्र के कदम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी महीने राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के 4 साल पूरे हो चुके हैं। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि यह किसी विशेष क्षेत्र, राज्य या धर्म के लिए नहीं था, बल्कि सभी के लिए एकसमान फायदेमंद था।

मुझे सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा

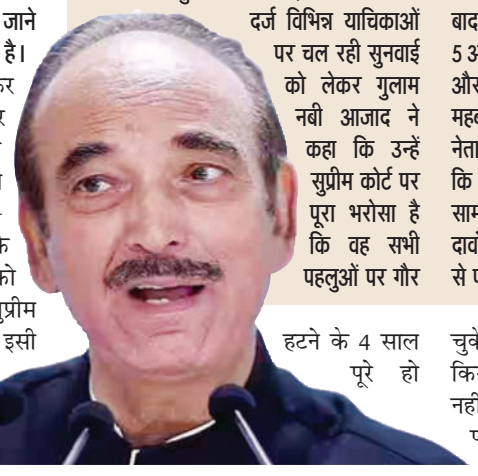

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ दर्ज विभिन्न याचिकाओं पर चल रही सुनवाई को लेकर गुलाम नबी आजाद ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि वह सभी पहलुओं पर गौर करेगा। वहीं, बीजेपी का दावा है कि धारा हटने के बाद राज्य में शांति, विकास और समृद्धि बढ़ी है। 5 अगस्त को इसकी चौथी बरसी पर पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने दावा किया कि उन्हें और 5 अन्य नेताओं को जरबंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में (जम्मू कश्मीर में) हालात सामान्य होने के बारे में भारत सरकार के झूठे दावों का मानसिक उन्माद से प्रेरित उसके कार्यों से पर्दाफाश हो गया है।

जीत के साथ शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम

» एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 5-0 से हराया, सेमीफाइनल के करीब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। जीत की राह पर वापसी करते हुए भारतीय हॉकी टीम ने मलेशिया को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के राउंड रॉबिन मैच में 5- 0 से हरा दिया। इस जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब भी आ गया है। भारत के लिये कार्ति सेल्वम (15वां मिनट), हार्दिक सिंह (32वां), कप्तान हरमनप्रीत सिंह(42वां), गुरजंत सिंह (53वां) और जुगराज सिंह (54वां) ने गोल दागे। इस जीत के बाद भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है और सेमीफाइनल का मार्ग भी प्रशस्त कर लिया। भारत ने पहले क्वार्टर में काफी आक्रामक शुरुआत की और कई अच्छे मौके बनाये। पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट में हरमनप्रीत सिंह मलेशियाई बॉक्स की तरफ गेंद लेकर दौड़े और सेल्वम को पास दिया जिसने आसान गोल दागा।

दूसरे क्वार्टर में भारतीयों ने हमले बोलने जारी रखे और दो पेनल्टी कॉर्नर भी बनाये लेकिन उन पर गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में हालांकि हार्दिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड शॉट के जरिये गोल दागा जबकि हरमनप्रीत मूल शॉट में चूक गए थे। मलेशिया को भी इस क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर मिला और नजमी जजलान ने गोल भी कर दिया था लेकिन भारत ने वीडियो रेफरल लिया। खतरनाक फ्लिक होने के कारण यह गोल रद्द कर दिया गया। भारत को 42वें मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से तीसरे पर गोल हुआ। भारत का चौथा गोल गुरजंत ने 53वें मिनट में किया जिसकी नींव हार्दिक और मनदीप सिंह ने रखी। जुगराज ने अगले मिनट एक और गोल करके भारत की बढत पांच गोल की कर दी। भारत को अब गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया से सोमवार को खेलना है जबकि मलेशिया की टक्कर जापान से होगी।

भारत लगातार दूसरे टी-20 में हारा

वेस्टइंडीज ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 2 विकेट से हराया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 152 रन बनाए। इस दौरान तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 18.5 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। उसके लिए निकोलस पूरन ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। हुसैन ने नाबाद 16 रन बनाए। जोसेफ 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

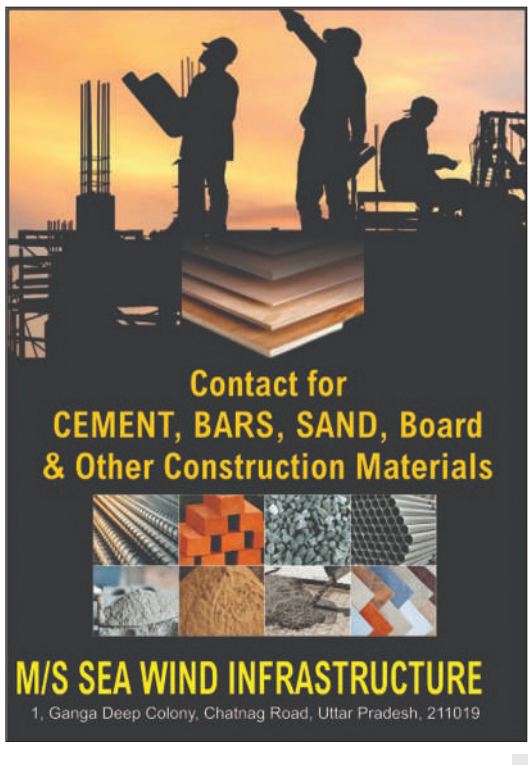

फोटोः सुमित कुमार

यूपी विधानमंडल में हंगामा, सपा ने सरकार को घेरा

मानसून सत्र का आगाज, अखिलेश यादव की मणिपुर हिंसा पर निंदा प्रस्ताव पास की मांग विधानसभा अध्यक्ष ने ठुकराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेताओं द्वारा मणिपुर हिंसा पर निंदा प्रस्ताव की मांग को लेकर यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सभी नेता अपने-अपने क्षेत्रों की चिंता करें और वहां से संबंधित सवाल उठाएं। उन्होंने कहा कि किसी अन्य राज्य में हो रही हिंसा की चर्चा यहां नहीं हो सकती है। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न उठाइए।

यूपी विधानमंडल में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने मणिपुर में हो रही हिंसा पर निंदा प्रस्ताव पास करने की मांग की। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे देश के एक राज्य में हिंसा हो रही है क्या हम उसकी निंदा भी नहीं कर सकते। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हम दूसरे राज्यों की चर्चा नहीं कर सकते। जिस पर अखिलेश ने कहा कि क्या इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बयान नहीं जारी कर सकते। उन्हें इस पर बोलना चाहिए और मणिपुर में हो रही हिंसा पर निंदा करनी चाहिए।

टमाटर की माला पहनकर सदन पहुंचे सपा एमएलसी

सोमवार को सत्र के पहले दिन सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा टमाटर की माला पहनकर साइकिल से विधानसभा पहुंचे। उन्होंने टमाटर के लगातार बढ़ते दामों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। इससे आम लोगों के लिए अपना घर चलाना मुश्किल हो गया है। इस समय खुदरा बाजार में टमाटर के दाम 200 से प्रति किलो से भी ज्यादा हो गए हैं। सपा कार्यकर्ता विधानभवन के सामने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन करते रहे।

विधानभवन परिसर में सपा का प्रदर्शन

यूपी विधानसभा सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई। सपा नेता महंगाई और मणिपुर हिंसा को लेकर सदन में नारेबाजी कर रहे थे जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप लोग सदन की कार्यवाही चलने दें। शोर मत मचाइए। हालांकि, नारेबाजी जारी रही। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि हम आपको अव्यवस्था फैलाने की अनुमति नहीं दे सकते।

सत्र की झलकियां

हम दूसरे राज्यों की चर्चा नहीं कर सकते : महाना

सपा नेताओं ने विधानभवन में मणिपुर में हो रही हिंसा पर चर्चा करने की मांग की और जमकर नारेबाजी करते रहे। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि हम दूसरे राज्यों की चर्चा सदन में नहीं कर सकते हैं। अभी आप कह रहे हैं कि मणिपुर की चर्चा करो। कल कोई कहेगा कि बंगाल में हुई हिंसा की चर्चा करो या केरल की चर्चा करो...। इससे गलत परंपरा की शुरुआत होगी। इसके बाद उन्होंने सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने की कार्यवाही शुरू की। इस पर सभी सदस्य शांत हो गए और अपने-अपने स्थानों पर बैठ गए। हालांकि, हंगामे के कारण विधान परिषद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

जनहित के सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सदन में जनहित के सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं और सभी सदस्यों से उम्मीद करते हैं कि वह सदन की कार्यवाही को चलाने में सहयोग देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीते छह वर्षों में राज्य ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। हम विधानसभा अध्यक्ष और विपक्षी दलों से अपील करते हैं कि बाढ़ और सूखे पर चर्चा करें।

अतीक व अशरफ समेत पूर्व सदस्यों को दी गई श्रद्धांजलि

यूपी विधानसभा में पूर्व विधायक एवं सांसद अतीक अहमद व पूर्व विधायक अशरफ समेत अन्य दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रश्नकाल के बाद निधन के संदेश पढ़े। उन्होंने अतीक अहमद के भाई और वर्ष 2005 में इलाहाबाद पश्चिम सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक रहे खालिद अजीम उर्फ अशरफ के निधन का संदेश पढ़ते हुए कहा, ''खालिद अजीम उर्फ अशरफ ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की थी। वह वर्ष 2005 में इलाहाबाद पश्चिम सीट के लिए हुए उपचुनाव में सपा के विधायक चुने गए थे।'' महाना ने अतीक अहमद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''अतीक अहमद का 15 अप्रैल 2023 को निधन हो गया। वह लगभग 61 वर्ष के थे। अतीक अहमद का जन्म 10 अगस्त 1962 को प्रयागराज में हुआ था। उन्होंने हाई स्कूल तक शिक्षा ग्रहण की थी। अतीक अहमद वर्ष 1989, 1991 और 1993 में निर्दलीय तथा 1996 में सपा और 2002 में अपना दल से इलाहाबाद पश्चिम से विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वह विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्य थे। वह वर्ष 2004 में लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए।'' इनके अलावा सदन में अन्य पूर्व सदस्यों सत्तार अहमद अंसारी, अमर सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह, सुजान सिंह बुंदेला, शारदा प्रसाद शुक्ला, हरिशंकर तिवारी, अवनीश कुमार सिंह, हरिद्वार दुबे और अबरार अहमद को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

दिल्ली एम्स में लगी आग, सभी मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित एम्स के एंडोस्कोपी रूम में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग लगने की जानकारी लगते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद एंडोस्कोपी रूम से सभी लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल की 6 से अधिक गाड़ियां भेजी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को यहां एम्स के इमरजेंसी वार्ड के पास आग लग गई। आग लगने की सूचना सुबह करीब 11.54 बजे मिली, जिसके बाद दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग ओल्ड ओपीडी की दूसरी मंजिल पर इमरजेंसी वार्ड के ऊपर स्थित एंडोस्कोपी कक्ष में लगी थी। एम्स के सूत्रों ने बताया कि कमरे से सभी मरीजों को बाहर निकाल लिया गया है।

तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी को 'सुप्रीम' झटका

ईडी द्वारा गिरफ्तारी को ठहराया वैध, पत्नी की याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी को झटका देते हुए बालाजी और उनकी पत्नी की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को वैध माना है और ईडी को मंत्री से हिरासत में पूछताछ की मंजूरी दे दी है।

बता दें कि सेंथिल बालाजी और उनकी पत्नी ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। मद्रास हाईकोर्ट ने भी अपने फैसले में ईडी द्वारा सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को नौकरी के बदले नकदी घोटाला मामले में 12 अगस्त तक हिरासत में रखने की अनुमति दी। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने माना कि गिरफ्तारी के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में रिमांड के आदेश को चुनौती नहीं दी जा सकती।

बालाजी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

बता दें कि ईडी ने बीती 14 जून को तमिलनाडु सरकार में मंत्री सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) मामले में गिरफ्तार किया था। बालाजी पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व की अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री रहते हुए नौकरी के बदले उम्मीदवारों से पैसे लिए थे। बालाजी पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप है। इस मामले में ईडी ने बालाजी के ठिकानों पर छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया था। ईडी द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में सेंथिल बालाजी ने मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया था लेकिन हाईकोर्ट ने बालाजी की गिरफ्तारी को बरकरार रखने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सेंथिल बालाजी और उनकी पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।